



संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

दैनिक

संग

भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक ख़बर



सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण

दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ

प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ-लखनऊ

Digital Edition

नौकरी, मानदेय, कैशलेश इलाज, यूपी चुनाव से पहले नए लाभार्थी समूह तैयार करने में जुटी योगी सरकार



(यंग भारत न्यूज़)

योगी सरकार यूपी में जीत की हैट्रिक लगाना चाहती है। इसके लिए मेगा प्लान तैयार किया है। विपक्ष के पीडीए सहित नेरैटिव सेट करने की हर कोशिश का जवाब रोजगार, विकास और कानून-व्यवस्था के बूते देने की तैयारी है। एक लाख रोजगार के महाभियान, विभिन्न समूहों की मानदेय बढ़ोतरी और कैशलेश इलाज की सुविधा देकर नया लाभार्थी वर्ग तैयार किया जा रहा है। लाखों लोगों को सामाजिक सुरक्षा का कवच देने के साथ ही मिशन-2027 के लिए वोट बैंक बढ़ाने पर पूरा फोकस है।



यूपी में 2014 से लगातार जीत के घोड़े पर सवार भाजपा का जोर लगातार अपना वोट बैंक बढ़ाने पर है। 2024 के लोकसभा चुनाव को छोड़ दें तो पार्टी को लगातार इस मुहिम में सफलता भी मिली है। अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली सरकार रोजगार और हिन्दुत्व की चासनी में पगे विकास मॉडल का नेरेटिव गढ़ने में जुटी है। चुनावी तिथियों के ऐलान में भले ही वक्त हो लेकिन सरकार पूरी तरह इलेक्शन मोड में है। जिलों में करोड़ों-अरबों की विकास योजनाओं के उद्घाटन-शिलान्यास के साथ ही सरकार ने हाल ही में मिशन एक लाख रोजगार शुरू किया है। इसे

विभागवार अलग-अलग समूहों में बांटकर आयोजित किया जा रहा है, ताकि यह श्रृंखला लंबी चल सके और चुनाव तक इसकी गुंज को बरकरार रखा जा सके। वहीं ग्रामीण प्रशासनिक तंत्र में दखल रखने वाले 57 हजार से अधिक पंचायत सहायकों का मानदेय 6000 से बढ़ाकर 9000 कर दिया गया। उन्हें कैशलेश इलाज की सुविधा देने के साथ ही सेवा सुरक्षा की गारंटी भी सरकार ने दी है। योगी कैबिनेट ने करीब 28 हजार पीआरडी जवानों का ड्यूटी भत्ता 500 रुपये प्रतिदिन से बढ़ाकर 600 रुपये कर दिया। वहीं उन्हें पांच लाख तक कैशलेश इलाज की सुविधा को भी मंजूरी दी गई है। इससे पहले मिडडे मील योजना से जुड़े साढ़े तीन लाख से अधिक रसोइयों का मानदेय 2000 से बढ़ाकर 3000 रुपये करने के साथ ही कैशलेश इलाज की सुविधा भी सरकार दे चुकी है। इसी महीने अयोध्या में मुख्यमंत्री ने

आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय 8 हजार से बढ़ाकर 9 हजार किए जाने की घोषणा की जा चुकी है। सहायिकाओं का भी मानदेय बढ़ाया जा रहा है। इनकी कुल संख्या तकरीबन 3.30 लाख है। टैट पास करने की अनिवार्यता के चलते नाराज चल रहे शिक्षकों के एक बड़े समूह के लिए योगी सरकार स्पेशल टैट परीक्षा कराने जा रही है। इसमें उन शिक्षकों को मौका देने की तैयारी है, जिन्हें यूपीटैट और सीटैट परीक्षा में सफलता नहीं मिल पाई है। सभी शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को कैशलेश इलाज की घोषणा योगी सरकार पहले ही कर चुकी है। इसके अलावा एनएचएम के जरिए रखे जाने वाले डॉक्टरों और सेवा बांड के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में तैनाती पाने वाले डॉक्टरों का भी मानदेय बढ़ाने की तैयारी है। इसके अलावा वृद्धावस्था, निराश्रित और दिव्यांगजन पेंशन को एक हजार से बढ़ाकर 1500 किए जाने की घोषणा बजट सत्र में कर चुकी है। यह लाभार्थी समूह तकरीबन सवा करोड़ लोगों का है।

अखिलेश यादव रायबरेली से क्यों कर रहे पीडीए रथयात्रा की शुरुआत? सीटों पर नजर या गठबंधन में दबदबे की कोशिश

(यंग भारत न्यूज़)

लखनऊ: सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव गुरुवार को पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) रथयात्रा की शुरुआत रायबरेली से करेंगे। वह हरचंदपुर के सपा विधायक और ओबीसी नेता राहुल लोधी के घर जाएंगे। वहां सपा विधायक संग समाजवादी छात्रसभा के उन सदस्यों से मुलाकात करेंगे, जिनकी झड़प 17 सितंबर को एबीवीपी और पुलिस अधिकारियों से हुई थी।



सपा के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, अखिलेश जिन जिलों का दौरा करेंगे, वहां अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में ऐसे पीड़ित परिवारों से मिलेंगे, जो पुलिस या प्रशासन की किसी कार्रवाई से नाराज हैं। राजनीतिक जानकारी इसे 2027 विधानसभा चुनाव से पहले पीडीए वोट बैंक को और मजबूत करने की रणनीति के रूप में देख रहे हैं।

शुरुआत कर रहे हैं। हाल में सपा छात्रसभा और एबीवीपी कार्यकर्ताओं में हुआ विवाद इसकी बड़ी वजह बताई जा रही है। हालांकि इसके पीछे कई राजनीतिक समीकरण भी हैं। विधानसभा चुनाव 2022 में कांग्रेस से गठबंधन न होने के बावजूद सपा सदर सीट छोड़कर बाकी सभी चार सीटें जीती थी। अब सपा की नजर ऊंचाहार सीट पर भी है। यहां से तीन बार सपा के टिकट पर जीते डॉ. मनोज पांडेय अब बीजेपी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। आगामी चुनाव में कांग्रेस और सपा के गठबंधन की संभावना मजबूत है। ऐसे में रायबरेली में जनाधार का प्रदर्शन करना भी रणनीति का हिस्सा हो सकता है। पार्टी यह संदेश देने की कोशिश में है कि जिले की ज्यादातर सीटों पर उसका प्रभाव मजबूत है

यूपी चुनाव 2027: विपक्ष के पीडीए का भाजपा ने निकाला तोड़, तैयार किया माइक्रो-प्लान

(यंग भारत न्यूज़)

लखनऊ: भाजपा अब विधानसभा 2027 के लिए बूथ इंजीनियरिंग में जुट गई है। इसके लिए बूथवार माइक्रो प्लान तैयार कर लिया गया है। हर बूथ पर जितनी जातियां होंगी, उन सभी का प्रतिनिधित्व बूथ कमेटियों में होगा। इस पर तेजी से काम हो रहा है। इससे समाज के सभी वर्गों और जातियों से संपर्क करके उनको साथ जोड़ने में सहूलियत

होगी। पिछले महीने ही भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े को प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है। उन्होंने पदाधिकारियों के साथ 6 सितंबर को पहली बैठक की थी। इसमें उन्होंने फोडबैक लिया था। इसमें यह बात आई थी कि जातिगत समीकरण साधना ही सबसे बड़ी चुनौती है। खासतौर से विपक्ष पीडीए, संविधान और आरक्षण



के नाम पर वोट मांगने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में विपक्षी किला तोड़ने के लिए बड़े स्तर पर काम करने की जरूरत है। इसमें तावड़े ने कहा था कि हमें बूथ स्तर तक काम करना होगा। खासतौर से उस बूथ पर जितनी भी जातियां हैं, उन सभी से संपर्क करना होगा। भले ही किसी जाति की संख्या ज्यादा हो या कम। हमें सबके पास पहुंचना होगा। विनोद तावड़े की इस बैठक के बाद ही पार्टी ने माइक्रो

प्लान तैयार किया है। सभी जातियों तक पहुंचने के लिए जरूरी है कि बूथ कमेटी में सबका प्रतिनिधित्व हो। जिस समाज से संपर्क करना है, उसी समाज के सदस्य को इसके लिए आगे किया जा सकेगा। वह अपने स्तर से भी अपने समाज के साथ काम करेगा। उसके बाद जरूरत होगी तो वरिष्ठ पदाधिकारी उसमें मदद करेंगे और हर समाज को अपने साथ मिलकर जोड़ेंगे। पार्टी ने

बूथों का अध्ययन भी करवाया है। इसमें यह बात सामने आई कि ऐसे कई बूथ हैं, जहां 2022 में भाजपा की स्थिति अच्छी थी, लेकिन 2024 में ऐसा नहीं रहा। ऐसे बूथों की संख्या 18,000 से ज्यादा है। ये बूथ पार्टी के लिए चुनौती हैं। इनमें से 80% बूथ ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। खासकर अवध और पूर्वांचल में ऐसे बूथों की संख्या ज्यादा है। इन पर खास फोकस करने की रणनीति तैयार की गई है।

किसान नेता टिकैत ने हर फसल पर आपदा से ग्रस्त बुंदेलखंड के किसानों के लिए सरकार को लताड़ा और कि अतिरिक्त पैकेज देने की माँग

बुंदेलखंड के लिए अलग पैकेज, किसानों की कर्जमाफी की मांग को लेकर गरजे राकेश टिकैत

» **उरई गल्ला मंडी में भाकियू की किसान महापंचायत, अतिवृष्टि से फसल-मकान क्षति का मुद्दा उठा**

» **सी2+50 प्रतिशत फार्मूले पर एमएसपी, सस्ती बिजली और खनिज संपदा में स्थानीय भागीदारी की मांग**

» **बिजली निजीकरण और अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापारिक समझौते को लेकर जताई किसानों के हितों पर चिंता**

» **2027 के चुनाव में भाकियू किसी दल का समर्थन नहीं करेगी, टिकैत ने चुनाव आयोग पर भी लगाए आरोप**

(प्रधान सम्पादक)

(यंग भारत न्यूज़)

उरई (जालौन)। जालौन के उरई स्थित गल्ला मंडी में शुक्रवार दोपहर भारतीय किसान यूनियन की विशाल किसान महापंचायत आयोजित हुई। पंचायत में भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार से बुंदेलखंड के लिए अलग विशेष पैकेज घोषित करने, प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को अतिरिक्त राहत देने और क्षेत्र के किसानों की कर्जमाफी की मांग की। पंचायत में अतिवृष्टि से फसल और मकान क्षति, खाद-बीज, बिजली, अन्ना मवेशी समेत किसानों से जुड़ी स्थानीय समस्याओं पर चर्चा हुई। राकेश टिकैत ने कहा कि बुंदेलखंड लंबे समय से प्राकृतिक आपदाओं और कृषि संकट से जूझ रहा है। किसानों को फसल और अन्य नुकसान का समुचित लाभ नहीं मिलने से क्षेत्र में पलायन की स्थिति बन रही है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड की परिस्थितियों को देखते हुए केंद्र और प्रदेश सरकार को अलग पैकेज घोषित करना चाहिए, जिससे किसानों को तत्काल राहत देने के साथ कृषि और रोजगार के अवसर भी बढ़ाए जा सकें।

किसानों की आय दोगुनी करने के दावे पर उठाए सवाल

टिकैत ने कहा कि चुनाव के दौरान किसानों की आय दोगुनी करने का दावा किया गया था, लेकिन किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। उन्होंने किसानों पर कर्ज का बोझ बढ़ने का दावा करते



हुए बुंदेलखंड के किसानों की कर्जमाफी की मांग उठाई। उनका कहना था कि प्राकृतिक आपदाओं और खेती की बढ़ती लागत ने किसानों की मुश्किलें और बढ़ाई हैं। उन्होंने बुंदेलखंड की खनिज संपदा का मुद्दा भी उठाया। कहा कि क्षेत्र की खनिज संपदा से होने वाले लाभ में स्थानीय लोगों की भी भागीदारी होनी चाहिए। खनिज संसाधनों से होने वाली आय और उससे जुड़े विकास कार्यों में क्षेत्र के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग उन्होंने रखी।

सी2+50 प्रतिशत फार्मूले पर एमएसपी की मांग

किसान नेता ने स्वामीनाथन आयोग की

सिफारिशों के अनुरूप सी2+50 प्रतिशत फार्मूले पर फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करने की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि खेती की लागत बढ़ने के साथ किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलना जरूरी है। टिकैत ने बिजली व्यवस्था के निजीकरण का भी विरोध किया। उन्होंने कहा कि बिजली निजी क्षेत्र में जाने से किसानों की लागत बढ़ सकती है और इसका सीधा असर खेती पर पड़ सकता है। उन्होंने किसानों को निर्बाध और सस्ती बिजली उपलब्ध कराने की मांग की।

सर्किल रेट बढ़ाने की मांग

राकेश टिकैत ने पूरे देश के साथ बुंदेलखंड में जमीनों के सर्किल रेट बढ़ाने की मांग भी रखी।

उन्होंने कहा कि लंबे समय से सर्किल रेट में अपेक्षित वृद्धि नहीं हुई है। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए जमीनों के सर्किल रेट का पुनरीक्षण किया जाना चाहिए। उन्होंने अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापारिक समझौते को लेकर भी व्यापारिक समझौते से किसानों को नुकसान की आशंका है तो सरकार को उसके संभावित प्रभाव का आकलन करना चाहिए। उन्होंने ऐसे प्रावधानों पर पुनर्विचार की मांग की, जिनसे भारतीय कृषि क्षेत्र पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका हो।

चुनाव आयोग पर लगाए आरोप

महापंचायत के दौरान राकेश टिकैत ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग को लेकर भी आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि देश में वोटों की चोरी हो रही है और चुनाव आयोग सरकार के इशारे पर काम कर रहा है। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। टिकैत ने चुनाव परिणामों को लेकर भी आरोप लगाते हुए कहा कि कई बार उनके अनुसार हारे हुए को जीत का प्रमाणपत्र और जीते हुए को हार का प्रमाणपत्र मिलने जैसी स्थिति बन रही है। उन्होंने विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर से चुनाव संबंधी उड़ाए गए आरोपों का समर्थन किया। इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि इस रिपोर्ट में नहीं की गई है।

2027 में किसी राजनीतिक दल का समर्थन नहीं

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर टिकैत ने कहा कि वह खुद चुनाव नहीं

लड़ेंगे और भारतीय किसान यूनियन किसी राजनीतिक दल का समर्थन भी नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि जनता अपने स्तर पर स्वतंत्र निर्णय लेगी। उन्होंने युवाओं की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि बदलाव के लिए युवाओं को आगे आना चाहिए।

मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने की बात

टिकैत ने 2020-21 के किसान आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौरान उठाई गई कई मांगें अभी तक पूरी नहीं हुई हैं। उन्होंने कहा कि किसानों के मुद्दों को लेकर सरकार को लगातार चेतावनी दी जाएगी। जरूरत पड़ने पर विभिन्न जिलों में आंदोलन जारी रखने की बात भी उन्होंने कही। उरई की किसान महापंचायत में स्थानीय समस्याओं के साथ कृषि, बिजली, खाद-बीज, अन्ना मवेशी, व्यापार, खनिज संसाधन, एमएसपी और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े राष्ट्रीय मुद्दे चर्चा के केंद्र में रहे। संगठन की ओर से किसानों की मांगों को सरकार तक पहुंचाने और आगे आंदोलन की रणनीति पर भी जोर दिया गया।

महापंचायत में भाकियू के राष्ट्रीय महासचिव राजवीर सिंह जादौन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बलराम लंबरदार, प्रदेश अध्यक्ष शर्मा, जिलाध्यक्ष डॉ. द्विजेंद्र निरंजन, जिला प्रवक्ता दिनेश प्रताप सिंह गौर, कदौरा ब्लॉक मीडिया प्रभारी चंद्रशेखर सैनी और पूर्व जिलाध्यक्ष बृजेश राजपूत समेत संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे। पंचायत में बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए।



स्लीपर बसों में हादसे-दर-हादसे: अड़ियल प्रबंधन, लापरवाह व्यवस्था, राख होते मुसाफ़िर

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ: यमुना एक्सप्रेस वे पर ग्रेटर नोएडा के पास बुधवार देर रात एक डबल डेकर स्लीपर बस में भीषण आग लग गई, जिससे नौ यात्रियों की जलकर दर्दनाक मौत हो गई. कई लोगों को पुलिस और फायर ब्रिगेड के लोगों ने बचाया. बस में सफर कर रहे कई पैसेंजर्स ने बस से कूदकर अपनी जान बचाई. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपए मुआवजे का एलान किया है. सभी के उचित इलाज के निर्देश दिए हैं.

स्लीपर बसों में आग लगने की घटना कोई नई नहीं है. अब तक ऐसे कई हादसे हो चुके हैं, लेकिन बस संचालक इन हादसों से सबक नहीं ले रहे हैं. स्लीपर बसों की चेसिस में बदलाव कर अपने मुताबिक बना रहे हैं. इमरजेंसी गेट तक को हटाकर वहां पर सीट लगा ले रहे हैं, जिससे ऐसी घटनाओं में इमरजेंसी गेट तक नहीं खुलता है. इससे जब आग लगने की घटना होती है, तो हादसा और भी बड़ा और दर्दनाक हो जाता है. कुछ महीने पहले जब परिवहन विभाग की



प्रवर्तन टीम ने प्रदेश भर में प्राइवेट स्लीपर बसों की जांच की तो इस तरह की तमाम बसें मिलीं, जिनमें कंपनी से निर्मित बस और वर्तमान बस की लंबाई में अंतर पाया. इमरजेंसी गेट की जगह पर सीट लगी पाई. इसके बाद तमाम बस मालिकों पर कार्रवाई की गई. चेतावनी भी दी गई, लेकिन अब भी प्राइवेट बस को हटाकर वहां पर सीट लगा ले रहे हैं, जो यात्रियों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं. इसी साल 22 जनवरी 2026 को मथुरा के राय थाना के अंतर्गत एक प्राइवेट स्लीपर बस में आग लग गई थी. इसमें कई यात्री

हताहत हुए थे. हालांकि राहत की बात ये थी कि किसी की जान नहीं गई थी. 16 दिसंबर 2025 को यमुना एक्सप्रेस वे पर एक रोडवेज बस और तीन प्राइवेट बसों में टक्कर होने के बाद आग लगी थी, जिसमें 19 यात्रियों की मौत हो गई थी. 15 मई 2025 को लखनऊ में बिहार के बेगूसराय से बागपत की तरफ जा रही एक डबल डेकर स्लीपर बस में मोहनलालगंज के पास आग लग गई. बस में करीब 70 यात्री सवार थे. यात्रियों ने जान बचाने की भरपूर कोशिश की, लेकिन इमरजेंसी गेट नहीं खुला और ड्राइवर की सीट के बगल एक अतिरिक्त

सीट लगे होने के चलते दो मासूम, दो महिलाएं और एक पुरुष बस के अंदर ही रह गए और आग में जलकर खाक हो गए. 15 फरवरी 2025 को यूपी के फिरोजाबाद में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा हो गया था. प्रयागराज महाकुंभ से श्रद्धालुओं से भरी बस लौट रही थी, तभी बस में आग लग गई. हादसे में एक श्रद्धालु की जिंदा जलकर मौत हो गई. बाकी बस यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था. पवन नाम के एक यात्री की बस में ही जिंदा जलकर मौत हो गई. 19 जनवरी 2025 को उन्नाव में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक डबल डेकर बस में अचानक भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई थी. यह घटना बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के गहरपुरवा गांव के पास हुई थी, जब रायबरेली से राजस्थान जा रही बस में चलते समय शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई थी आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में बस आग का गोला बन गई. हालांकि, राहत की बात यह रही कि बस में सवार लगभग 50 यात्रियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था.

बांग्लादेशी हसीना के प्यार में था पति, पत्नी ने प्रेमिका के टुकड़े कर सूटकेस में किया पैक, .5 साल बाद ऐसे खुला राज?

(यंग भारत न्यूज)

तमिलनाडु के सलेम शहर में सूटकेस हत्याकांड का पांच साल बाद सनसनीखेज खुलासा हुआ है. सलेम शहर पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी महिला को महाराष्ट्र के पुणे से अरेस्ट किया है.

मृतका और आरोपी महिला दोनों ही बांग्लादेश की हैं और अवैध तरीके से भारत में घुसकर ब्यूटी पार्लर व मसाज पार्लर के नाम पर अनैतिक धंधा करती थीं. पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार करते हुए इस हत्याकांड का खुलासा किया है. पुलिस के मुताबिक 2021 में सलेम शहर में एक ब्यूटी पार्लर की मालकिन की हत्या हुई थी. वारदात के बाद हत्यारोपियों ने शव के टुकड़े किए और सूटकेस में डालकर बाहर फेंक दिया था. पुलिस ने मामले की जांच की. इस दौरान मृत महिला की पहचान बांग्लादेश की रहने वाली तेजमंडल के रूप में हुई. पता चला कि वह ब्यूटी पार्लर और मसाज पार्लर की आड़ में अनैतिक कार्य करती थी. इसके लिए उसने मुख्य आरोपी निशि समेत कुछ बांग्लादेशी महिलाओं को भी काम पर रखा था. पुलिस के मुताबिक तेजमंडल यहां सलेम के अशुर निवासी प्रताप के



साथ मिलकर ब्यूटी पार्लर चलाती थी. दोनों यहां कुमार सामीपत्ती में किराए का घर लेकर पति-पत्नी की तरह रहते थे. पुलिस की जांच में पता चला कि कुछ समय बाद प्रताप यहां काम करने वाली बांग्लादेशी महिलाओं निशि, शीला, ओशी का भी यौन शोषण करता था. खासतौर पर निशि के साथ उसकी नजदीकियां ज्यादा थीं. आरोप है कि इन महिलाओं को उचित वेतन भी नहीं दिया जाता था. पुलिस के मुताबिक निशि के पति लुबलू और तेजमंडल के बीच अवैध संबंधों की

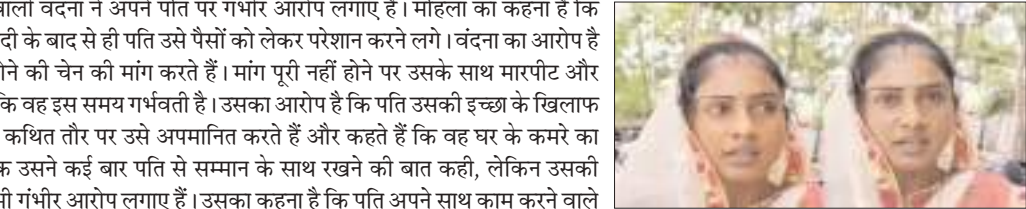
जानकारी होने पर निशि ने बदला लेने का फैसला किया. फिर अक्टूबर 2021 में एक दिन जब प्रताप चेन्नई गया था, निशि ने अपने चारों साथियों के साथ मिलकर तेजमंडल की गला घोटकर हत्या कर दी और शव के टुकड़े कर ट्रॉली सूटकेस में पैककर दिया. इसके बाद आरोपी घर में से नगदी जेवर आदि समेत कर बांग्लादेश भाग गए थे. इधर, तेजमंडल का शव करीब 7 महीने तक मोर्चरी में रखा. जब किसी ने क्लेम नहीं किया तो पुलिस ने अंतिम संस्कार कराया. पुलिस के

मुताबिक इस वारदात के बाद निशि कुछ दिन तो बांग्लादेश में रही, लेकिन दोबारा वापस लौटकर पुणे आ गई. यहां पहचान बदलकर उसने एक कर्नाटक के व्यक्ति से शादी भी की और दोनों साथ में रहने लगे. इसी बीच मुखबिर से मिले इनपुट के आधार परन पुलिस ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार किया है. फिलहाल उसे सलेम केंद्रीय जेल में रखा गया है. इस मामले में पुलिस अब अंतर्राष्ट्रीय सीमा सुरक्षा बल की मदद से अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी में जुटी है.

पति जब ऐसा हो तो राक्षस की क्या जरूरत? पत्नी बोली- जबरदस्ती करते हैं गंदा काम विरोध करने पर बोलते हैं- किराया वसूल रहा हूं

(यंग भारत न्यूज)

चित्रकूट के भरतपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली वंदना ने अपने पति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि उसकी शादी साल 2023 में हुई थी, लेकिन शादी के बाद से ही पति उसे पैसों को लेकर परेशान करने लगे। वंदना का आरोप है कि पति लगातार उससे 2 लाख रुपये और सोने की चेन की मांग करते हैं। मांग पूरी नहीं होने पर उसके साथ मारपीट और गाली-गलौज की जाती है। पीड़िता ने बताया कि वह इस समय गर्भवती है। उसका आरोप है कि पति उसकी इच्छा के खिलाफ जबरन संबंध बनाते हैं। विरोध करने पर पति कथित तौर पर उसे अपमानित करते हैं और कहते हैं कि वह घर के कमरे का किराया वसूल रहे हैं। महिला का कहना है कि उसने कई बार पति से सम्मान के साथ रखने की बात कही, लेकिन उसकी परेशानी कम नहीं हुई। वंदना ने पति पर और भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उसका कहना है कि पति अपने साथ काम करने वाले ट्रक ड्राइवरो के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डालते हैं। महिला के मुताबिक, जब वह इस बात का विरोध करती है तो उसके साथ मारपीट की जाती है और उसे अपशब्द कहे जाते हैं। पीड़िता का आरोप है कि पति उससे गलत तरीके से पैसे कमाने का दबाव बनाते हैं वंदना ने अपनी पीड़ा बताते हुए कहा कि अगर पति को उसे साथ रखना है तो सम्मान के साथ रखें। अगर साथ नहीं रखना चाहते तो साफ बता दें और उसके व बच्चे के भविष्य के बारे में फैसला करें।



शारीरिक संबंध बनाते समय दबाया गला, बिस्तर पर बिना कपड़ों के पत्नी का शव वैसे ही छोड़कर भागा पति?

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के रामपुर में महिला शिक्षक की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। जांच में सामने आया है कि शिक्षक एकता उर्फ पूजा की हत्या उसके पति राहुल ने ही की थी।

आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है और मामले की विस्तृत जांच जारी है। पुलिस पृच्छाछ में आरोपी राहुल ने स्वीकार किया कि उसने अपनी पत्नी की हत्या गुस्से में की। उसने बताया कि नशा करने



से मना करने पर विवाद हुआ, जिसके बाद संबंध बनाते समय उसने गला दबाकर एकता की हत्या कर दी। यह घटना रविवार को हुई थी। हत्या के बाद राहुल अपने पांच साल के बेटे को लेकर मेरठ चला गया। वहां उसने बेटे को अपने भाई लल्ला के हवाले किया और खुद एक

नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती हो गया, ताकि शक से बच सके। बता दें कि सोमवार को रामपुर स्थित शिव विहार कॉलोनी में किराये के मकान में महिला का शव संदिग्ध हालत में मिला। दूध देने पहुंचे व्यक्ति ने दरवाजा खुला देखा और आवाज लगाने पर कोई प्रतिक्रिया ना मिलने का पड़ोसियों व मकान मालिक को सूचना दी। अंदर जाकर देखा गया तो एकता का शव बिस्तर पर नग्न अवस्था में चादर से ढका पड़ा था। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने जांच

शुरू की और संदेह के आधार पर मेरठ स्थित नशा मुक्ति केंद्र से राहुल को हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने अपना अपराध कबूल कर लिया। मृतका के पिता राजेंद्र की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी राहुल और उसके भाई गौरव के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज किया है। सिविल लाइंस कोतवाली प्रभारी ओमकार सिंह के अनुसार आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है और मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। जांच में

सामने आया कि राहुल किसी तरह का काम नहीं करता था और नशे का आदी था। परिवार का खर्च उसकी पत्नी एकता ही उठाती थी। वह अक्सर उससे पैसे और गाड़ी की मांग करता था, जिसको लेकर दोनों के बीच विवाद होता रहता था। घटना की खिलाफ दहेज हत्या का मामला के मायके और ससुराल पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे। परिवार में मातम पसरा हुआ है। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

आजमगढ़ कांड की इनसाइड: स्टोरी अरविंद की पत्नी बबीता ने पड़ोसी पर किया था रेप केस, फिर हुई भाई की हत्या, अब नरसंहार!

(यंग भारत न्यूज)

शंभुपुर में 2015 के रेप केस और 2018 में भाई की हत्या की रंजिश के बीच अरविंद सिंह ने मानसिक तनाव में आकर पत्नी बबीता और दो पुजारियों की गोली मारकर हत्या कर दी. भाई की ट्रांसफर रिवाल्वर से पूजा के दौरान वारदात को अंजाम दिया गया.यूपी के आजमगढ़ में हुए जिस हत्याकांड से पूरा प्रदेश दहल उठा, उसकी जड़ें ‘कातिल’ अरविंद सिंह की पत्नी बबीता से जुड़ी हैं. दरअसल, साल 2015 में बबीता की ओर से अपने पड़ोस (रिश्तेदार) के दो लोगों पर कराए गए थे. जिसमें आरोपियों को 20-20 साल की सजा सुनाई गई. 2018 में जमानत पर बाहर आने पर आरोपियों ने अरविंद के बड़े भाई सुनील की हत्या कर दी. इसका केस अभी भी चल रहा है. लेकिन घटना के बाद से अरविंद चिड़चिड़ा और ‘सनकी’ स्वभाव का हो गया. उसका पत्नी से अक्सर विवाद होता था. पूजा-पाठ से भी चिढ़ हो गई.

परिजनों का मानना था कि भाई की हत्या के बाद अरविंद के ऊपर किसी तरह का ‘साया’ है. इसीलिए घर में महामृत्युंजय जाप कराया जा रहा था. पत्नी बबीता सिंह तीन पुरोहितों के साथ पूजा करा रही थी. लेकिन अरविंद इसका विरोध कर रहा था. सोमवार को ही उसने अनुष्ठान को आगे बढ़ाने से मना किया था. लेकिन परिवार



वालों ने इस बात को हल्के में लिया. ऐसे में मंगलवार को जब अरविंद ने फिर से पूजा-पाठ होते देखा तो उसका गुस्सा सातवें कराए गए थे. जिसमें आरोपियों को 20-20 साल की सजा सुनाई गई. 2018 में जमानत पर बाहर आने पर आरोपियों ने अरविंद के बड़े भाई सुनील की हत्या कर दी. इसका केस अभी भी चल रहा है. लेकिन घटना के बाद से अरविंद चिड़चिड़ा और ‘सनकी’ स्वभाव का हो गया. उसका पत्नी से अक्सर विवाद होता था. पूजा-पाठ से भी चिढ़ हो गई.

परिजनों का मानना था कि भाई की हत्या के बाद अरविंद के ऊपर किसी तरह का ‘साया’ है. इसीलिए घर में महामृत्युंजय जाप कराया जा रहा था. पत्नी बबीता सिंह तीन पुरोहितों के साथ पूजा करा रही थी. लेकिन अरविंद इसका विरोध कर रहा था. सोमवार को ही उसने अनुष्ठान को आगे बढ़ाने से मना किया था. लेकिन परिवार

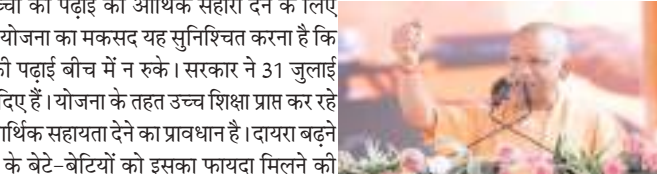
मार दी. फिर उसने अखिलेश मिश्रा को निशाना बनाया. इस घटना में दोनों की मौत हो गई. बताया जा रहा है कि सोमवार को अरविंद के घर पर पूजा चल रही थी. गुस्से से लाल अरविंद ने पुजारियों को अगले दिन न आने की चेतावनी दी थी. ऐसे में मंगलवार को भी पूजा होते देख अरविंद बुरी तरह भड़क गया और गाली देते हुए पत्नी बबीता को अपने भाई सुनील की हत्या का जिम्मेदार बताया. साथ ही पूजा-पाठ के नाम पर ड्रामा करने का आरोप लगाया. जैसे ही विवाद बढ़ा उसने गोलियां बरसानी शुरू कर दीं. बता दें कि अरविंद ने जिस रिवाल्वर से 4 हत्याएं कीं वो बड़े भाई सुनील सिंह की है. सुनील के जाने के बाद ये रिवाल्वर अरविंद के नाम ट्रांसफर हो गई थी. वहीं, एक बंदूक का लाइसेंस सुनील की पत्नी के नाम भी हुआ था. मगर सुनील की पत्नी जब दिल्ली शिफ्ट हुई तो बंदूक थाने में जमा हो गई.

यूपी सरकार का बड़ा फैसला, किसानों के बच्चों के लिए बड़ी खुशखबरी!

(यंग भारत न्यूज)

उत्तर प्रदेश सरकार किसान परिवारों के बच्चों की पढ़ाई को आर्थिक सहारा देने के लिए मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना चला रही है। योजना का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि पैसों की कमी के कारण किसी पात्र विद्यार्थी की पढ़ाई बीच में न रुके। सरकार ने 31 जुलाई 2026 को योजना का दायरा बढ़ाने के निर्देश भी दिए हैं। योजना के तहत उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे पात्र विद्यार्थियों को हर महीने 5,000 रुपये की आर्थिक सहायता देने का प्रावधान है। दायरा बढ़ाने से पहले की तुलना में अधिक किसान परिवारों के बेटे-बेटियों को इसका फायदा मिलने की उम्मीद है।

कितन पाठ्यक्रमों और विद्यार्थियों को नए विस्तार में शामिल किया जाएगा, यह संबंधित सरकारी दिशा-निर्देशों से तय होगा। योजना के लिए विद्यार्थी का उत्तर प्रदेश का निवासी होना और किसान परिवार से संबंधित होना जरूरी है। साथ ही छात्र किसी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान में पढ़ाई कर रहा हो और योजना की निर्धारित शैक्षणिक एवं अन्य पात्रता शर्तें पूरी करता हो। कृषि के अलावा अन्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को भी योजना में शामिल किए जाने का प्रावधान है। आवेदन प्रक्रिया उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन में जुड़ी है। पात्र विद्यार्थियों को आधिकारिक माध्यम से वर्तमान आवेदन प्रक्रिया की जानकारी लेकर फॉर्म भरना होगा। आवेदन के दौरान आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, शैक्षणिक दस्तावेज, बैंक खाते की जानकारी और किसान परिवार से जुड़े प्रमाण मांगे जा सकते हैं।



सपा की वापसी का मतलब रंगदारी- माफियाराज’, बृजलाल का सपा पर निशाना; 2027 चुनाव को लेकर कही ये बात

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ: उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी बयानबाजी तेज होती जा रही है। इसी क्रम में भाजपा के राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी बृजलाल ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा है। बृजलाल ने आरोप लगाया कि चुनाव नजदीक आते ही सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं की आक्रामक और अराजक गतिविधियां बढ़ जाती हैं। उन्होंने संतकबीरनगर के गणेशोत्सव विवाद, रायबरेली में पुलिस से अभद्रता और 2011 के मुरादाबाद मैनाटेर कांड का जिक्र करते हुए सपा शासनकाल और कानून-व्यवस्था को लेकर अपनी बात रखी।



बृजलाल ने हालिया घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि संतकबीरनगर में गणेश चतुर्थी के दौरान श्रद्धालुओं के जुलूस को लेकर विवाद हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय सपा सांसद पप्पू निषाद ने अपनी गाड़ी रोककर लोगों को धमकाया और धर्म-कर्म पर सवाल खड़े किए। बृजलाल के मुताबिक, इसका स्थानीय रामभक्त निषाद समाज ने विरोध किया। उन्होंने रायबरेली की घटना का भी उल्लेख किया, जहां सपा जिलाध्यक्ष और पुलिस अधिकारियों के बीच विवाद हुआ था। बृजलाल ने आरोप लगाया कि इस दौरान पुलिस अधिकारियों से अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया और हाथापाई की स्थिति बन गई। उन्होंने कहा कि यदि पुलिस ने संयम नहीं बरता होता तो स्थिति और बिगड़ सकती थी। बृजलाल ने आरोप लगाया कि पहले पुलिस पर हमला करना और उसके बाद पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाकर खुद को पीड़ित बताना सपा की पुरानी रणनीति रही है। बृजलाल ने 6 जुलाई 2011 को मुरादाबाद के मैनाटेर क्षेत्र में हुए हिंसक घटनाक्रम का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले अफवाह फैलाने के बाद थाने और पुलिस चौकी पर हमला हुआ था और सरकारी वाहनों को आग लगा दी गई थी। उनके मुताबिक, तत्कालीन डीआईजी अशोक कुमार सिंह जब पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे तो उन पर भी हमला किया गया।

आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए मेडिकल कॉलेज में विशेष शिविर, 63 मरीजों की जांच घुटना प्रत्यारोपण की जरूरत वाले चार मरीज भर्ती, विशेषज्ञ डॉक्टरों ने किया परीक्षण

- **आर्थोपेडिक विभाग में आयोजित शिविर में हड्डी-जोड़ संबंधी मरीजों को मिला परामर्श**
- **जिले में 1.38 लाख परिवारों के 4.8 लाख सदस्यों के बन चुके आयुष्मान कार्ड**

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। राजकीय मेडिकल कॉलेज, जालौन के आर्थोपेडिक विभाग में आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में हड्डी एवं जोड़ संबंधी रोगों से ग्रसित 63 मरीजों का विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार एवं आवश्यक परामर्श दिया। जांच के दौरान चार मरीज ऐसे पाए गए, जिन्हें घुटना प्रत्यारोपण की आवश्यकता थी। इन चारों मरीजों को आगे की उपचार प्रक्रिया के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया।

शिविर का उद्घाटन राजकीय मेडिकल



कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी ने किया। आर्थोपेडिक विभाग के एचओडी डॉ. सिद्धार्थ अग्रवाल के नेतृत्व में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने मरीजों की जांच की। टीम में डॉ. अंकित साहू, डॉ. जीतू यादव, डॉ. सलीम आजमी, डॉ. सागर बंसल और डॉ. सुजीत शामिल रहे। मेडिकल सपोर्टिंग टीम में मानवेंद्र कुशवाहा, इमरान, राजू और प्रीति ने सहयोग किया। डॉ. सिद्धार्थ अग्रवाल ने बताया कि शिविर में आने वाले मरीजों में से घुटना प्रत्यारोपण की जरूरत वाले चार मरीजों को भर्ती किया गया है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान योजना के लाभार्थियों के लिए आगे भी इसी तरह के विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि आयुष्मान वय वंदना योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के पात्र मरीजों को भी राजकीय मेडिकल कॉलेज में योजना के अंतर्गत निःशुल्क

उपचार उपलब्ध कराया जाएगा।
2018 से संचालित है आयुष्मान योजना
मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी ने कहा कि राजकीय मेडिकल कॉलेज में आयुष्मान योजना वर्ष 2018 से संचालित है। योजना के तहत सभी विभागों में आयुष्मान कार्ड के माध्यम से भर्ती होने वाले पात्र मरीजों का उपचार किया जाता है। उन्होंने आर्थोपेडिक विभाग द्वारा आयोजित विशेष शिविर को उपयोगी बताते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक पात्र मरीजों को योजना का लाभ मिल सके। सीएमओ डॉ. हरिन्दन प्रसाद ने बताया कि जिले में आयुष्मान योजना के तहत करीब 1.38 लाख परिवारों के 4.8 लाख सदस्यों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। राजकीय मेडिकल कॉलेज के

लगातार हो रही बारिश को देखते हुए प्रशासन ने 12 तक के स्कूल शुक्रवार के दिन बंद रहने का किया आदेश।

अनंत चतुर्दशी और जुमे की नमाज को लेकर उरई में पुलिस का फ्लैग मार्च अपर पुलिस अधीक्षक ने सर्राफा बाजार व भीड़भाड़ वाले इलाकों में पैदल गश्त कर परखी सुरक्षा व्यवस्था



(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। अनंत चतुर्दशी पर्व एवं जुमे की नमाज को लेकर जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक जालौन ने पुलिस बल के साथ नगर उरई में फ्लैग मार्च एवं पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अपर पुलिस अधीक्षक ने नगर के मुख्य मार्गों, सर्राफा बाजार सहित सार्वजनिक एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों का भ्रमण किया। इस दौरान पुलिस बल ने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को परखा। अधिकारियों ने आमजन, व्यापारी बंधुओं एवं दुकानदारों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुरक्षा संबंधी जानकारी ली तथा सभी को सुरक्षित माहौल का भरोसा दिलाया। पुलिस अधिकारियों ने पर्व एवं जुमे की नमाज के दौरान विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। साथ ही आमजन से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई। पुलिस की सक्रिय गश्त से नगर में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ नजर आई।

बुंदेलखंड दौरे पर झांसी पहुंचे कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल अपना दल एस के क्षेत्रीय अध्यक्ष आनंद बाबू बोहरा के आवास पर हुआ स्वागत

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल शुक्रवार को बुंदेलखंड दौरे के दौरान झांसी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अपना दल एस के क्षेत्रीय अध्यक्ष आनंद बाबू बोहरा के झांसी स्थित आवास पर अचानक पहुंचकर मुलाकात की। आवास पर जिला पंचायत सदस्य एवं आनंद बाबू बोहरा की पत्नी मोनाक्षी पटेल ने गुलदस्ता भेंटकर उनका स्वागत किया।
मंत्री आशीष पटेल ने आवास पर जलपान किया। इस दौरान आनंद बाबू बोहरा के साथ क्षेत्रीय गतिविधियों और संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी बातचीत हुई। क्षेत्र की राजनीतिक एवं सामाजिक परिस्थितियों को लेकर विचार-विमर्श किए जाने की जानकारी दी गई। मुलाकात के दौरान स्थानीय स्तर पर जनसंपर्क और संगठनात्मक गतिविधियों से जुड़े विषय भी चर्चा में रहे। आनंद बाबू बोहरा ने कैबिनेट मंत्री का स्वागत करते हुए उनके आगमन पर आभार जताया। वहीं, मोनाक्षी पटेल ने भी मंत्री से मुलाकात की। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अटकलें तेज हुईं। इस दौरान आवास पर परिवार के सदस्यों के साथ स्थानीय लोग और समर्थकों भी मौजूद रहे। कुछ समय रुकने के बाद कैबिनेट मंत्री अपने बुंदेलखंड दौरे के अगले कार्यक्रम के लिए रवाना हो गए।



देर रात सड़कों पर निकले एएसपी, शहर से ग्रामीण क्षेत्रों तक परखी पुलिस की मुस्तैदी

- **राजेंद्र नगर चौकी और सराफा बाजार पिकेट का किया औचक निरीक्षण**
- **कोबरा-चेतक मोबाइल टीमों की सक्रियता परखी, पुलिसकर्मियों को दिए सतर्कता के निर्देश**
- **अपराध रोकथाम और आमजन की सुरक्षा को लेकर ग्रामीण थाना क्षेत्रों में भी जारी रहेगा रात्रि भ्रमण**

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। आमजन की सुरक्षा और रात्रि के समय होने वाली घटनाओं की रोकथाम को लेकर अपर पुलिस अधीक्षक जालौन डॉ. ईशान सोनी ने देर रात उरई शहर में भ्रमण कर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कई महत्वपूर्ण स्थानों पर पहुंचकर रात्रि ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की मुस्तैदी को परखा। एएसपी के अचानक निरीक्षण से ड्यूटी पर



मौजूद पुलिसकर्मियों में हड़कंप के साथ सतर्कता का माहौल रहा। रात्रि भ्रमण के दौरान डॉ. ईशान सोनी ने कोतवाली उरई क्षेत्र के राजेंद्र नगर चौकी, सराफा बाजार पिकेट सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थानों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर तैनात पुलिस बल की ड्यूटी और सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। इसके साथ ही कोबरा और चेतक मोबाइल टीमों की मुस्तैदी भी चेक की गई। एएसपी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि रात्रि के समय अपने निर्धारित क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहें। संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों पर विशेष निगरानी रखने के साथ ही संवेदनशील स्थानों पर सतर्कता बढ़ाई जाए। किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा घटना की सूचना मिलने पर तत्काल मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि पुलिस की रात्रि गश्त केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि पुलिसकर्मी अपने निर्धारित क्षेत्रों में सक्रिय रूप से मौजूद रहें। पिकेट और मोबाइल टीमों को भी लगातार भ्रमण करते हुए क्षेत्र की गतिविधियों पर नजर

रखने के निर्देश दिए गए।
ग्रामीण क्षेत्रों में भी लगातार औचक निरीक्षण
अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा केवल जिला मुख्यालय तक सीमित न रहकर ग्रामीण अंचल के विभिन्न थाना क्षेत्रों का भी लगातार रात्रि निरीक्षण किया जा रहा है। इसका उद्देश्य थाना क्षेत्रों में तैनात पुलिस बल की वास्तविक स्थिति को मौके पर परखना और सुरक्षा व्यवस्था में सामने आने वाली कमियों को तत्काल दूर कराना है। ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रि गश्त, पिकेट ड्यूटी और मोबाइल पुलिस टीमों की सक्रियता पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के इस तरह के औचक निरीक्षण से रात्रि ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों की जिम्मेदारी बढ़ी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि रात्रि भ्रमण और प्रभावी गश्त के जरिए अपराध की रोकथाम के साथ आम नागरिकों में सुरक्षा का भरोसा कायम करने पर जोर दिया जा रहा है। महत्वपूर्ण स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी और मोबाइल टीमों की सक्रियता बनाए रखने के लिए संबंधित पुलिसकर्मियों को लगातार निर्देशित किया जा रहा है।

पॉक्सो एक्ट को लेकर छात्र-छात्राओं को किया जागरूक, दिलाई लैंगिक अपराधों से बचाव की शपथ विधिक साक्षरता शिविर में महिला-बाल अधिकार, श्रमिक अधिकार व निःशुल्क कानूनी सहायता की दी जानकारी

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश एवं जनपद न्यायाधीश विरजेन्द्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन में शुक्रवार को गांधी इंटर कॉलेज उरई में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छात्र-छात्राओं को पॉक्सो एक्ट-2012, महिला एवं बाल अधिकार, बंधुआ मजदूरी उन्मूलन, श्रमिक अधिकार, अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी दी गई।
शिविर की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती मनाली चन्द्रा ने की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को पॉक्सो एक्ट के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को लैंगिक अपराध, यौन शोषण, पोर्नोग्राफी एवं छेड़छाड़ जैसी घटनाओं से सुरक्षा प्रदान करने के लिए पॉक्सो अधिनियम बनाया गया है। उन्होंने विद्यार्थियों से किसी भी प्रकार के लैंगिक अपराध के प्रति सजग रहने तथा घटना होने पर तत्काल परिजनों अथवा संबंधित अधिकारियों को जानकारी देने की अपील की। उन्होंने बताया कि 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक जिले के तहसील, विकासखंड, विद्यालय एवं विधि महाविद्यालय स्तर पर प्रतिदिन विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित किए जाएंगे। वहीं 2 अक्टूबर को अहिंसा दिवस के अवसर पर प्रभातफेरी, नुकुड़ नाटक एवं पेंटिंग सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में सचिव ने छात्र-छात्राओं को अपने विरुद्ध होने वाले लैंगिक अपराधों के प्रति जागरूक रहने की शपथ भी दिलाई। शिविर का संचालन कर रहे पीएलवी महेश सिंह परिहार ने लोक अदालत एवं सुलह-समझौता केंद्र के लाभ बताते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न कानूनी सुविधाओं की जानकारी दी। प्रधानाचार्य रमेश चंद्र राठौर ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सुधीर कुमार गुप्ता, उदय सिंह यादव, हेमन्त कुमार सिंह, विकास उर्देनिया, बलवन्त सिंह, सतेन्द्र कुमार त्रिपाठी, सुरेन्द्र विक्रम सिंह, मनोज कुमार राजपूत, जितेन्द्र कुमार वर्मा, डीईओ दीपक नारायण, पीएलवी महेन्द्र कुमार मिश्रा, योगेन्द्र सिंह तखेले सहित दर्जनों छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।



स्टेशन रोड पर कोचिंगों के बिगड़ैल लड़कों के उपद्रव से बना है अराजकता का साम्राज्य

- **स्टेशन रोड पर पुलिस गश्त नदारद, बेलगाम हो रहे बिगड़ैल छात्र**
- **कोचिंग सेंटर्स के आसपास छात्राओं को परेशान करने और मारपीट की घटनाओं से बढ़ी चिंता**
- **कोचिंग से छात्र को उठाकर जीआईसी की पुरानी बिल्डिंग में ले जाकर पीटने का आरोप**
- **महिला पुलिस की गैरमौजूदगी से छात्राओं की सुरक्षा पर उठ रहे सवाल**
- **कभी पुलिस के बूटों की आवाज से गुंजती थी स्टेशन रोड, अब गश्त न होने से अराजक तत्वों के हौसले बुलंद**
- **क्षेत्र वासी हैं खासे परेशान, पुलिस से स्थिति पर नियंत्रण करने की मांग**

उरई (जालौन)। शहर की स्टेशन रोड पर पुलिस की नियमित गश्त न होने से छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। क्षेत्र में बड़ी संख्या में कोचिंग सेंटर संचालित होने के कारण सुबह से शाम तक विद्यार्थियों का आवागमन बना रहता है। इसके बावजूद सड़क पर न तो पुरुष पुलिसकर्मियों की नियमित गश्त दिखाई देती है और न ही महिला पुलिसकर्मियों की मौजूदगी नजर आती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले इस मार्ग पर पुलिस की पैदल गश्त होती थी, जिससे असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर अंकुश रहता था।
वर्तमान में स्टेशन रोड पर कुछ युवकों की उड़हटा और आए दिन होने वाले विवादों की शिकायतें सामने आ रही हैं। कोचिंग सेंटरों के आसपास छात्राओं को परेशान किए जाने की घटनाओं से भी लोगों में चिंता है। पुलिस की नियमित निगरानी नहीं होने से अराजक तत्वों के हौसले बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। हाल ही में एक छात्र को कोचिंग सेंटर से उठाकर जीआईसी की पुरानी बिल्डिंग में ले जाने और वहां मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ युवकों ने छात्र को वहां ले जाकर

उसके साथ मारपीट की। इस घटना ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, घटना के संबंध में पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि और कार्रवाई का विवरण सामने आना बाकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कम उम्र के कुछ युवक भी दबंगी दिखाने से बाज नहीं आ रहे हैं। मूछें ठीक से निकली नहीं हैं, लेकिन कमर से बेल्ट निकालकर दूसरों पर रौब झाड़ने और मारपीट करने जैसी हरकतें चिंता का विषय बन रही हैं। कोचिंग आने-जाने वाले विद्यार्थियों के बीच इस तरह की घटनाओं से भय का माहौल बन सकता है। लोगों का कहना है कि स्टेशन रोड पर नियमित पुलिस गश्त, सादे कपड़ों में निगरानी और महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की जरूरत है। साथ ही कोचिंग सेंटरों के आसपास संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जानी चाहिए, ताकि छात्र-छात्राएं बिना किसी डर के पढ़ाई के लिए आ-जा सकें। अब सवाल यह है कि स्टेशन रोड पर पुलिस की नियमित गश्त कब शुरू होगी और छात्र-छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार अधिकारी कब ठोस कदम उठाएंगे

विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर गोष्ठी, चिकित्सा व्यवस्था में फार्मासिस्टों की भूमिका पर हुई चर्चा

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर फार्मासिस्ट एसोसिएशन की ओर से गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. जे.जे. राम मौजूद रहे, जबकि अध्यक्षता फार्मासिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ. पी.एन. शर्मा ने की। कार्यक्रम का संचालन फार्मासिस्ट डॉ. टीपी गौतम ने किया।
गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि चिकित्सा व्यवस्था में फार्मासिस्टों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए फार्मासिस्टों का जागरूक और जिम्मेदार होना आवश्यक है।
वक्ताओं ने कहा कि निजी मेडिकल स्टोर भी फार्मासिस्ट की मौजूदगी के बिना संचालित नहीं किए जा सकते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. जे.जे. राम ने कहा कि फार्मासिस्ट अस्पताल की रीढ़ की तरह हैं। फार्मासिस्टों के सहयोग के बिना चिकित्सा व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि मरीजों के उपचार और दवाओं के सही प्रबंधन में फार्मासिस्टों की अहम भूमिका रहती है। उन्होंने विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर सभी फार्मासिस्टों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष डॉ. पी.एन. शर्मा ने फार्मासिस्टों की जिम्मेदारियों और मरीज हित में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। इस दौरान संगठन से जुड़े पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर डॉ. संजीव कुमार उपाध्याय, डॉ. सुरेश शाक्य, डॉ. अनुप शर्मा, डॉ. पुष्पेंद्र सिंह, डॉ. जे.बी. सिंह, डॉ. टीपी गौतम, डॉ. सुबोध नायक, डॉ. आदेश नगायक, डॉ. नरेंद्र कुमार, फार्मासिस्ट डॉ. नरेंद्र पाटी, सीनियर वाई ब्रॉय परवेज खान सहित संगठन के अन्य लोग मौजूद रहे।



- **मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे सीएमएस डा. जे. जे. राम**
- **फार्मासिस्ट दिवस पर मरीजों को फल वितरित किये फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने**

इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन के लिए जिला स्तरीय मीडिया मॉनिटरिंग कमेटी गठित जिला निर्वाचन अधिकारी समीर की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति का गठन, मीडिया एवं प्रचार सामग्री की होगी निगरानी

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। आगामी उत्तर प्रदेश विधान परिषद इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन-2026 को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी समीर ने जिला स्तरीय मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी (रेखस्ट) का गठन किया है। यह समिति निर्वाचन के दौरान मीडिया में प्रसारित होने वाली चुनाव संबंधी सामग्री एवं प्रचार-प्रसार से जुड़े मामलों की निगरानी करेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से 24 सितंबर 2026 को जारी कार्यालय आदेश के अनुसार गठित समिति में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी समीर को अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) शत्रुघ्न पाठक तथा उप जिलाधिकारी (न्यायिक) कालपी कुमार संजय को सदस्य बनाया गया है। इसके अलावा अपर जिला सूचना अधिकारी पंकज कुमार को समिति का सदस्य सचिव तथा स्वतंत्र पत्रकार संजय कुमार गुप्ता को सदस्य नामित किया गया है। आदेश में कहा गया है कि समिति मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश एवं भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली से प्राप्त दिशा-निर्देशों का अध्ययन करते हुए निर्वाचन से संबंधित आवश्यक कार्यवाहियों को समयबद्ध एवं नियमानुसार सुनिश्चित करेगी। समिति निर्वाचन अवधि में मीडिया एवं प्रचार सामग्री से संबंधित निर्धारित प्रावधानों के अनुपालन की निगरानी करेगी।

जनपद के पिरौना गांव में गजब खेल! जांच में लाखों का गबन साबित, वसूली का फरमान जारी... और बचाने के लिए हाईकोर्ट से ले आए ‘स्टे’!

■ **लाखों के वित्तीय घोटाले और मृत लोगों के नाम पर फर्जी मस्टररोल निकालने के मामले में फंसी प्रधान व सचिव की जोड़ी**

■ **जांच रिपोर्ट में बीडीओ, लेखाकार और सचिवों समेत कई वेहरे हुए थे बेनकाब, प्रशासन ने बैठ दी थी रिकवरी**

■ **कार्रवाई से बचने के लिए आरोपी प्रधान और सचिवों ने चल दिया नया दांव, हाईकोर्ट से ले आए स्थगन आदेश**

■ **भ्रष्टाचार के दोषी उसी सचिव अनुज गुप्ता की दोबारा पिरौना में तैनाती और ऊपर से कानूनी पैंतरेबाजी से ग्रामीणों में जबरदस्त आक्रोश!**



(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन) जिले की कांच विकास खंड के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पिरौना इन दिनों भ्रष्टाचार और प्रशासनिक मिलीभगत को लेकर सुर्खियों में है। यहां विकास कार्यों के नाम पर सरकारी खजाने को किस तरह दोनों हाथों से लूटा गया, इसको फेरिस्त बहुत लंबी है। हद तो तब हो गई जब लंबी जांच-पड़ताल में आरोप सही पाए जाने, रिकवरी के आदेश होने और दांधियों के नाम उजागर होने के बावजूद, बचने के लिए आरोपियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाकर ‘स्टे’ (स्लूडू) ले लिया। इस कानूनी पैंतरेबाजी के चलते पूरा मामला बीच मझधार में लटक गया है और ग्रामीण टगा सा महसूस कर रहे हैं।
फर्जीवाड़े की लंबी और कांटेदार दास्तान शुरूआत और टालमटोल (जनवरी से नवंबर 2023): पिरौना गांव में विकास के नाम पर लाखों रुपये की लूट की पहली शिकायत 13 जनवरी 2023 को डीएम जालौन से की गई, लेकिन फाइल दबी रही। इसके बाद 6 नवंबर 2023 को मामला

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दरबार में पहुंचा। सीएम के आदेश पर डीएम ने 24 नवंबर 2023 को त्रिस्तरीय जांच कमेटी बनाई, लेकिन आरोप है कि उस समिति ने शिकायतकर्ता से संपर्क तक नहीं किया। दूसरी बार बैठी जांच और खुली पोल (अगस्त से नवंबर 2024): हार न मानते हुए 13 अगस्त 2024 को दोबारा डीएम को शिकायत दी गई, जिसके बाद 19 अगस्त 2024 को फिर त्रिस्तरीय जांच समिति गठित हुई। 14 अक्टूबर 2024 को टीम ने गांव में आकर खुली जांच की, जिसमें तमाम शिकायतें शत-प्रतिशत सही पाई गईं और 18 नवंबर 2024 को रिपोर्ट डीएम को सौंप दी गई।
कोन-कोन है इस खेल में शामिल ?
मुख्य विकास अधिकारी और उपायुक्त श्रम रोजगार के निर्देशों के बाद कोंच के तत्कालीन सुर्खियों में है। यहां विकास कार्यों के नाम पर सरकारी खजाने को किस तरह दोनों हाथों से लूटा गया, इसको फेरिस्त बहुत लंबी है। हद तो तब हो गई जब लंबी जांच-पड़ताल में आरोप सही पाए जाने, रिकवरी के आदेश होने और दांधियों के नाम उजागर होने के बावजूद, बचने के लिए आरोपियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाकर ‘स्टे’ (स्लूडू) ले लिया। इस कानूनी पैंतरेबाजी के चलते पूरा मामला बीच मझधार में लटक गया है और ग्रामीण टगा सा महसूस कर रहे हैं।
फर्जीवाड़े की लंबी और कांटेदार दास्तान शुरूआत और टालमटोल (जनवरी से नवंबर 2023): पिरौना गांव में विकास के नाम पर लाखों रुपये की लूट की पहली शिकायत 13 जनवरी 2023 को डीएम जालौन से की गई, लेकिन फाइल दबी रही। इसके बाद 6 नवंबर 2023 को मामला

और ग्राम पंचायत अधिकारी अनुज गुप्ता से 765,449.50 की रिकवरी के निर्देश दिए गए। वहीं, ग्राम पंचायत पिरौना ने 33,768 रुपये ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना समिति में जमा कराए।
मुद्दों के नाम पर मस्टररोल और अब हाईकोर्ट का ‘स्टे’!
घोटाले की इंतहा देखिए कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभार्थियों को 90 दिनों की मजदूरी तक नहीं दी गई। इतना ही नहीं, एक नहीं बल्कि छह फर्जी मस्टररोल जारी किए गए और ऑनलाइन पोर्टल पर मृत व्यक्तियों के नाम से फर्जी हाजिरी व भुगतान दर्शाकर सरकारी धन डकार लिया गया। जब प्रशासन ने शिकंजा कसते हुए आरोपियों से पैसे वसूलने की तैयारी की, तो अपनी खाल बचाने के लिए ग्राम प्रधान प्रीति यादव, ग्राम पंचायत अधिकारी सुमित यादव और अनुज गुप्ता हाईकोर्ट से स्टे ले आए! परिणाम यह हुआ कि कार्रवाई बीच में ही लटक गई है।
दागी बाबू की दोबारा ताजपोशी पर भी उठे सवाल
एक तरफ कानूनी दांवपेंच से वसूली पर ब्रेक लग गया है, तो दूसरी तरफ सिस्टम की मेहरबानी देखिए कि भ्रष्टाचार के मामले में पूरी तरह दोषी पाए जाने वाले ग्राम पंचायत अधिकारी अनुज गुप्ता को दोबारा से उसी ग्राम पंचायत पिरौना में तैनात कर दिया गया है। लगातार शिकायतें करते-करते थक चुके ग्रामीणों का अब प्रशासन से से विश्वास उठता जा रहा है। सवाल यह है कि आखिर भ्रष्टाचार के इन सूरमाओं पर नकेल कब कसेगी और मृत लोगों के नाम पर सरकारी धन हजम करने वालों को सच्ची सजा कब मिलेगी ?

माधौगढ़ सिहारी रोड बना तालाब, कीचड़ से होकर गुजरने को मजबूर स्कूली बच्चे और ग्रामीण



माधौगढ़ (जालौन) । नगर क्षेत्र के बुंदेलखंड बस स्टैंड से होकर गुजरने वाली सिहारी रोड की स्थिति इस बरसात के मौसम में अत्यंत दयनीय हो चुकी है। जलनिकासी की उचित व्यवस्था न होने से पूरी सड़क जलमग्न होकर तालाब में तब्दील हो गई है। जगह-जगह गहरा कीचड़ और दलदल जम जाने के कारण राहगीरों का चलना दुष्पर हो गया है।
जनकारी के मुताबिक इस मार्ग पर डिग्री कॉलेज, प्राथमिक स्पेशल स्कूल, सुबोध गैस एजेंसी और शालिनी गेस्ट हाउस जैसे कई महत्वपूर्ण संस्थान स्थित हैं। रोजाना सैकड़ों छात्र-छात्राएं इसी कीचड़ और गंदे पानी के बीच से होकर स्कूल-कॉलेज जाने को मजबूर हैं। पानी के बीच से निकलने के दौरान अक्सर बच्चों के बस्ते, किताबें और ड्रेस भीग जाते हैं। कई बार गड़ों का अंदाजा न लगने से बच्चे पानी में गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं। सिहारी रोड आसपास के लगभग 20 से 25 गांवों को माधौगढ़ के मुख्य बाजार से जोड़ता है। रोजाना सैकड़ों ग्रामीण अपनी दैनिक आवश्यकताओं और व्यापारिक कार्यों के लिए इसी रास्ते से आते-जाते हैं। मुख्य मार्ग पर दलदल जम जाने से ग्रामीणों और वाहन चालकों को भारी जोखिम उठाना पड़ रहा है। जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा से ग्रामीणों में रोष स्थानीय नागरिकों और ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने इस जर्जर सड़क की मरम्मत और नाली निर्माण के लिए कई बार क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और सत्ता पक्ष के नेताओं से गुहार लगाई, लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई। शासन-प्रशासन की उपेक्षा के कारण समस्या दिन-ब-दिन गंभीर होती जा रही है। सड़क की इस बदहाली से आक्रोशित नगर व क्षेत्रवासियों ने शासन और प्रशासन से गुहार लगाई है कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा और आम जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सिहारी रोड का शीघ्र पक्का निर्माण कराया जाए, ताकि राहगीरों को इस नारकीय स्थिति से स्थायी निजात मिल सके।

कदौरा में नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, जांच में जुटी पुलिस



उरई किदौरा थाना क्षेत्र के ग्राम हांसा में गुरुवार-शुक्रवार की रात एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की जानकारी शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे परिजनों को हुई।
परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कदौरा लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के मेमोरैंडम के अनुसार पुलिस को करीब 2:15 बजे इस संबंध में सूचना दी गई।
कदौरा थाना पुलिस के अनुसार ग्राम हांसा निवासी सूर्यकुमार उर्फ शीलू अपनी पत्नी ज्योति (25) को मृत अवस्था में सीएचसी कदौरा लेकर पहुंचा था। सूचना मिलते ही थाना कदौरा से वरिष्ठ उपनिरीक्षक विनेश कुमार, कांस्टेबल जितन यादव और महिला आरक्षी शिखा को अस्पताल भेजा गया। जानकारी के अनुसार मृतका की शादी करीब चार माह पूर्व ही हुई थी। मामला नवविवाहिता से जुड़ा होने के कारण नियमानुसार राजस्व अधिकारियों को भी सूचना दी गई है। पुलिस ने नियमानुसार पंचायतनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक पंचायतनामा की कार्रवाई नायब तहसीलदार कालपी की मौजूदगी में कराई जा रही है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल गांव में शांति व्यवस्था बनी हुई है।

इमरजेंसी में डॉक्टर नदारद, अधीक्षक के निजी क्लीनिक को लेकर भी उठे सवाल

(यंग भारत न्यूज)
माधौगढ़। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माधौगढ़ में बुधवार शाम इमरजेंसी के दौरान चिकित्सकीय व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए। शाम के समय अस्पताल में मरीजों की भीड़ मौजूद थी, लेकिन मौके पर इमरजेंसी में चिकित्सक दिखाई नहीं दिए। मरीजों और तीमारदारों को उपचार के लिए परेशान होना पड़ा। मौके पर जानकारी करने पर डॉ. विनय कुमार पांडे की इमरजेंसी ड्यूटी होने की बात बताई गई, लेकिन मौके पर उनकी मौजूदगी नहीं मिली। ऐसे में सवाल उठता है कि इमरजेंसी के समय यदि किसी मरीज की हालत अचानक गंभीर हो जाए तो उसे तत्काल चिकित्सकीय सुविधा कैसे मिलेगी।
इसी दौरान मौके पर एक और महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई। उपचार के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में सीएचसी के अधीक्षक डॉ. मनीष कुमार



द्वारा निजी क्लीनिक में मरीज देखे जाने की बात सामने आई है। हालांकि इस संबंध में आधिकारिक रूप से स्थिति स्पष्ट होना अभी बाकी है। यदि सरकारी ड्यूटी के समय निजी प्रैक्टिस की पुष्टि होती है तो यह जांच का विषय बन सकता है। माधौगढ़ स्वास्थ्य केंद्र में दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में इमरजेंसी के समय चिकित्सकों की

कांग्रेस संगठन की बैठक में भाजपा सरकार पर बरसे जिला अध्यक्ष बोले- गांव-गांव पहुंचकर पार्टी की नीतियां बताएं कार्यकर्ता



संपत्तियों और संस्थानों को बेचा जा रहा है, उनमें से कई कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल में निर्मित हुई थीं। उन्होंने कहा कि देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश के लिए लंबे समय तक संघर्ष किया और जेल में समय बिताया। जिला उपाध्यक्ष ओम नारायण शर्मा ने बताया कि कांग्रेस सरकार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का उल्लेख करते हुए कहा कि वह दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों के अधिकारों के साथ-साथ संविधान की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। नगर अध्यक्ष राजकुमार वर्मा

संगीता ब्यूटी पार्लर का उद्घाटन करने पहुंचे माधौगढ़ कोच 219 विधानसभा प्रबल दावेदार वीएसपी प्रत्याशी आशीष कुमार पांडे



माधौगढ़ जालौन माधौगढ़ नगर में स्थित एसएमजी गार्डन कि दूकान मे उमरी रोड पर संगीता ब्यूटी पार्लर का उद्घाटन करने पहुंचे बीएसपी के विधानसभा 219 के प्रत्याशी आशीष कुमार पांडे ने फीता काटकर ब्यूटी पार्लर का किया उद्घाटन ब्यूटी पार्लर की ओनर संगीता देवी ने बताया कि इस पार्लर में वैक्स आईब्रो फेशियल मसाज लहंगा चुनरी किराए पर मिलते हैं एवं शादी के अवसर पर दुल्हन को सजाया जाता है एक बार सेवा का अवसर दें उचित रेट पर दुल्हन सजाई जाती है संगीता पत्नी प्रताप सिंह ने अतिथियों का स्वागत तिलक चंदन फूल माला पहनाकर एव मिष्ठान वितरण कर सम्मान किया मौके पर उत्तर प्रदेश पुलिस श्याम सिंह इंजीनियर विकास कुमार डॉक्टर विनोद कुमार कुशवाहा ग्राम प्रधान मुकेश कुमार संगीता देवी प्रीति संगम सोने ललिता प्रताप रामफल राजू क्षेत्रवासी नगर वासी ग्राम वासी मौजूद

डॉ. अरुण सिंह जादौन को मिला राष्ट्रीय चिकित्सा रत्न सम्मान 2026



रामपुरा, जालौन। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) रामपुरा में तैनात चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण सिंह जादौन को चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान एवं समर्पित स्वास्थ्य सेवाओं के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा रत्न सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया है। इस सम्मान से स्वास्थ्य विभाग एवं क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। प्राप्त सम्मान पत्र के अनुसार, डॉ. अरुण सिंह जादौन को राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा, मरीजों की देखभाल तथा समुदाय के प्रति समर्पित सेवाओं में योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया है। सम्मान पत्र पर नेशनल हेल्थकेयर एक्सलेंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ. मीरा शर्मा और सचिव डॉ. आर.के. वर्मा के हस्ताक्षर अंकित हैं। प्रमाण पत्र पर जारी करने की तिथि 19 सितंबर 2026 दर्ज है। डॉ. अरुण सिंह जादौन सीएचसी रामपुरा, जनपद जालौन में मेडिकल ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं। सम्मान पत्र में उनके स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति समर्पण, मरीजों की देखभाल और मानवीय सेवा के योगदान का उल्लेख किया गया है। चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत चिकित्सकों को इस प्रकार के सम्मान मिलने से स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहन मिलता है। डॉ. अरुण सिंह जादौन को सम्मान मिलने पर क्षेत्रवासियों की ओर से बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

भारत को चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले में रजत, सीमा ने 10 हजार मीटर में कांस्य जीता



सीमा

नागोया
भारत ने कृष्णवर्णित्वर को यहां एशियाई खेलों की चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले में रजत पदक जीता जबकि सीमा कुमार ने महिलाओं की 10 हजार मीटर वीड के फाइनल में देश को ऐतिहासिक कांस्य पदक दिलाया। पूर्वम् राजू, विशाल शन्नायम्, विश्व रामराज और मनु टीएस की चौकड़ी ने तीन मिनट 34.46

सेकंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया। इसके साथ ही भारत ने 2023 के हांगज़ो एशियाई खेलों में जीता अपना रजत पदक बरकरार रखा। विश्व रामराज ने अंतिम चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को रजत पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वहीरेन ने तीन मिनट 12.87 सेकंड के खेलों के रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता।



सीमा ने खतम किया 16 साल का सूखा

महिलाओं की 10 हजार मीटर स्पर्धा में सीमा ने 32 मिनट 50.05 सेकंड का समय निकाला। सीमा ने कड़े मुकाबले में 16 साल के अंतराल के बाद इस स्पर्धा में भारत को पदक दिलाया। एशियाई खेलों की इस स्पर्धा में यह भारत का अब तक का केवल तीसरा पदक है।

रोशिबिना देवी ने वुशु में जीता रजत लगातार तीसरी बार हासिल किया पदक

नागोया

भारतीय टीम में शुरुआती दौर पर जगह नहीं मिलने के बावजूद बिस्मत्त ने रोशिबिना देवी का साथ दिया और मणिपुर की 25 वर्षीय वुशु खिलाड़ी ने कृष्णवर्णित्वर को महिलाओं की 60 किग्रा 'सांडा' स्पर्धा में रजत पदक जीतकर लगातार तीसरे एशियाई खेलों में पदक हासिल किया। फाइनल में उन्होंने चीन की झोंग शियाओयु से हार का सामना करना पड़ा। फिलहाल एशियाई खेलों में रजत और 2018 के खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली रोशिबिना ने 2026 के खेलों में भी रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया।



ऐसा रहा रोमांचक मुकाबला

अखिर प्रोफेक्शनल मशिन अटल होल ने हार का झुकाव में रोशिबिना को 0-2 से हार मिली। दोष दो मिनट के राउंड में एबी जल के फाइनल में रोशिबिना की पक्ष में 5-0 का फैसला किया। दूसरा से

पहले राउंड में कान्हा बन्ना जिस पर पानी जलने से उन्हें फाइनल 0-2, 0-3, 0-2, 0-2 और 0-2 से हार का झुकाव और अंतिम राउंड में भी पानी की खिलाड़ी का फाइनल फेक्टर रहा। पानी जलने से उन्हें 10-2, 8-3, 7-3, 7-3 और 8-1 से हार मिली।

अन्य खिलाड़ियों का ऐसा रहा प्रदर्शन

'सांडा' के अन्य खिलाड़ियों में पुरुषों के 56 किग्रा वर्ग में अर्चन क्वार्टर फाइनल में हार गए, जबकि महिलाओं के 52 किग्रा वर्ग में अर्चना को प्रो-क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। पुरुषों के 75 किग्रा वर्ग में विक्रान्त बर्लिनगन अपने शुरुआती मुकाबले में ही हार गए। भारत के 'ताओलु' खिलाड़ी भी पदक दौरे तक नहीं पहुंच सके। महिलाओं की 'नानवान और नानदाओ' स्पर्धाओं में लॉगलेन्ग्वे देवी हंजावाम ने कुल 18.839 अंक के साथ नौवां स्थान हासिल किया। नपेमान चांगसू ने महिलाओं की 'चांगवान' स्पर्धा में 9.573 अंक के साथ 15वां स्थान हासिल किया। पुरुषों की 'चांगवान' स्पर्धा के फाइनल में सूरज सिंह मायंगलामथान कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच 11वें स्थान पर रहे।



अनंत और परिनाज को मिश्रित टीम स्कीट में मिला कांस्य पदक

खगोला। भारत की अनंत और परिनाज जो मिश्रित टीम स्कीट में 44 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रही। उन्होंने छह दौरों में लक्ष्यर अंश प्रदर्शन किया। पहली स्कीट के बाद अनंत स्कोर 24 या जे बंदूक 14, 21, 29, 36 और अनंत 11, 44 हो गया। अनंत जो और परिनाज ने स्क्वैड्स केवल और से कुल 139 के स्कोर के साथ चौथे स्थान हासिल करने का फैसला में जलत खड़ा हो। इन स्कोर पदक के साथ एशियाई खेलों में भारत के खिलाड़ियों पदक जीतने संख्या अठारह बढ़े हैं। इनमें पार रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं। इससे पहले कुश्ना को भारत की पुरुष और महिला स्कीट खिलाड़ियों टीमी ने उहवी प्रतियोगिताओं में दो कांस्य पदक जीते थे।



चीनी ताइपे को हराकर भारतीय पुरुष कबड्डी टीम सेमीफाइनल में

नागोया। रत चीनवन भारत ने चीनी ताइपे को 37-21 से हराकर कृष्णवर्णित्वर को एशियाई खेलों की पुरुष कबड्डी स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बना ली। यह ग्रुप चरण में भारत की लगातार चौथी जीत है। इससे पहले भारतीय टीम ने दक्षिण कोरिया, जापान और बांग्लादेश को हराया था। इस तरह भारत ने ग्रुप चरण में अपने सभी मुकाबले जीतकर कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया। भारत ने शुरुआत से ही मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी और हाफ टाइम तक 23-11 की बढ़त हासिल कर ली। दूसरे हाफ में भी भारतीय टीम ने दबदबा बनाए रखा और इस दौरान 14-10 से आगे रही। भारत ने सकल रैंड से 28 अंक, तीन बीनस अंक और ऑलआउट से छह अंक हासिल किए।

पारितोष पूयो पूयो स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में



नागोया। भारत के पारितोष ने कृष्णवर्णित्वर को यहां एशियाई खेलों की पूयो पूयो चीनवन ईसपेयर्स स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। यह ग्रुप की में दो जीत और दो हार के साथ तीसरे स्थान पर रहे। पहाण्य कर रहे पारितोष ने अपने अभियान की शुरुआत मंगोलिया के मुखजोरिश रनबोएड पर 3-0 की जीत के साथ की। इसके बाद उन्होंने सिंगापुर के कोह मुन जुन जितिन को 3-2 से हराया। पूयो पूयो एक फलैली अपारित चीडिबे गेम है। हालांकि पारितोष को चीन ताइपे के जु आंग कुओ के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा और वह थाईलैंड के तानाकर योकिवित्कुन से भी 2-3 से हार गए।

सतनाम-सलमान की जोड़ी ने पुरुष युगल स्कल्स स्पर्धा में जीता कांस्य

नागोया

भारतीय रोवर सतनाम सिंह और सलमान खान ने कृष्णवर्णित्वर को यहां एशियाई खेलों की पुरुष युगल स्कल्स स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी 1,500 मीटर तक दूसरे स्थान पर रही लेकिन आखिरी 500 मीटर में वह तीसरे स्थान पर चित्तक गई। दोनों ने 'नागयागावा इंटरनेशनल रेगाट क्लेस' पर छह मिनट 13.25 सेकंड का समय लिया। चीन के बी शुडी और बीदी नी ने छह मिनट 09.37 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। उज्बेकिस्तान के फावेल सोरिन और मेखरोजोविक सामातकुलोव ने छह



मिनट 10.49 सेकंड में रंस पूरी कर रजत पदक हासिल किया। भारतीय 'जेडो' स्पर्धा पदक विजेताओं से 3.88 सेकंड पीछे रही। सतनाम ने इससे पहले हांगकांग एशियाई खेलों में पुरुष क्वड्रुपल स्कल्स स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता था।

एक और पदक से चूका भारत

इससे पहले भारत रॉइंग में एक और पदक से मम्तुली अंतर से चूक गया। बलराज पंवार पुरुष सिंगल स्कल्स के फाइनल में चौथे स्थान पर रहे। उन्होंने छह मिनट 54.80 सेकंड का समय लिया। पंवार 500, 1,000 और 1,500 मीटर तक दूसरे स्थान पर बने हुए थे लेकिन अंतिम 500 मीटर में वह पिमासकर चौथे स्थान पर पहुंच गए। चीन के रेंग झीवेई ने छह मिनट 38.98 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। पंवार स्वर्ण पदक विजेता से 15.82 सेकंड पीछे रहे।

स्क्वॉश : अनाहत-तन्वी क्वार्टर फाइनल में

नागोया

अनाहत सिंह, तन्वी खन्ना, अपय सिंह और वीर चोहरानी ने एशियाई खेलों की स्क्वॉश स्पर्धा के एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। तुनियर विश्व चैंपियन और पदक को दावेदार अनाहत ने महिला एकल में सिंगापुर की चाई जियन और बेआंग को 19 मिनट में 3-0 (11-4, 11-5, 11-7) से हराकर अभियान को शुरुआत की। इसके बाद तन्वी ने भी सिंगापुर की चाई यान और बेआंग को 39 मिनट में 3-1 (5-11, 11-4, 11-5, 13-11) से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इन मैचों के साथ महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में



अनाहत और तन्वी के बीच मुकाबला तय हो गया है। शिखर एशियाई खेलों के विपरीत इस बार स्क्वॉश की एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों का पदक पक्का नहीं

होगा। स्क्वॉश पदक के लिए सेमीफाइनल में हारने वाले दोनो खिलाड़ियों के बीच तीसरे-चौथे स्थान का मुकाबला खेला जाएगा। अमय और चोटरानी का मुकाबला इस खिलाड़ियों से पुरुष फाइनल में अनाहत और तन्वी के बीच होगा। फाइनल में अनाहत का जसराज सेनखल जराज का रॉ स्पेजोखोले से होगा। चोटरानी को मलेशिया के रजत जित के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। उन्होंने एक गेट से फिफ्ट वन लेखनक मुकबले में 3-2 (11-9, 8-11, 11-8, 13-17, 11-9) से जीत दर्ज कर अंतिम अठारह में जगह बनाई।



जोशना-वेलावन की जोड़ी स्वतंत्र मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में

नागोया। विनगज जोशना धिक्क और वेलावन रॉयलकुमार ने कृष्णवर्णित्वर को अंतिम 16 मुकाबले में हलकाव करुण पंड और अनाहत लिजज की जोड़ी को चौथे नेम में हराकर एशियाई खेलों की मिश्रित युगल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। एशियाई खेलों के कृष्ण पदक जीत चुके जोशना-वेलावन की जोड़ी ने 11-7, 11-10 से जीत दर्ज की। अर्चन जोड़ी का मुक़ाबला को क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के डेविड डेलिने और अंकिश अग्रिवाले की जोड़ी से भिड़ेगी।

भारत ए टीम ने ऑस्ट्रेलिया को दिया 363 रनों का विशाल लक्ष्य

कप्तान पडिक्कल और कुशाग्र का गरजा बल्ला

पुडुचेरी

कप्तान देवदत्त पडिक्कल के अर्धशतक और पहली पारी में शतक जड़ने वाले कुशाग्र के नाबाद 46 रन की मदद से भारत ए ने कृष्णवर्णित्वर को पक्षी बल्ले चर दिवसीय मुकाबले के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ए के सामने 363 रन का लक्ष्य रखा। भारत ए की टीम एक समय दूसरी पारी में एक विकेट पर 93 रन बनाकर अच्छी स्थिति में दिख रही थी लेकिन इसके बाद उसकी पारी 199 रन



पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया ए के लिए ऑफ स्पिनर डॉड मर्फी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट झटक जिनमें सई

सुदर्शन का महत्वपूर्ण विकेट भी शामिल था। बॉरे हथ के बल्लेबाज सुदर्शन भारतीय टीम में रिजर्व सलामी बल्लेबाज के स्थान के लिए दावेदारी पेश कर रहे हैं। वह तीसरे स्थान की दौड़ में पडिक्कल से पिछड़ गए हैं। दिन का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलिया ए ने दो विकेट पर 55 रन बना लिए थे। उसे जीत के लिए अब 308 रन और चाहिए जबकि मैच बचाव के लिए उसे पूरे चौथे दिन बल्लेबाजी करनी होगी।

इंडिया ए के लिए कुशाग्र ने जड़ा था शतक

इंडिया ए ने पहली पारी में कुशाग्र कुशग्र को 111 रन तक बढ़ाया पारी में 134 रन काबू। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी को 171 पर ही ढेर कर दिया भारत के लिए लक्ष्य अंशिक कर विकेट एडलर पारी में रिजर्व हस्त कुशग्र ने चतुर्लक्ष्य रखा। अब दूसरी पारी में इंडिया तरबे अमरी इंडिया ए के कप्तान देवदत्त पडिक्कल ने पहली पारी में तीन रन खी बचाए, वे उसके बाद दूसरे पारी में मोटा सभासती हुए 88 गेंद में खत रोकें से 59 रन की पारी खेली। उसके अलावा पहली पारी में हराक जसने वाले कुमार कुशग्र ने 59 गेंद में चार रनके जीत की छक्के से 46 रन की बल्लेबाजी खेली। इस तरह कुशाग्र की पारी में नाबाद रहे और ऑस्ट्रेलिया का कोई भी बल्लेबाज उन्हें आउट नहीं कर सका। कुशग्र और कुशग्र के अलावा अब दूसरी पारी में सई सुदर्शन ने छक्का।

एशियाड हॉकी

दिलप्रीत की हैट्रिक से भारत ने कोरिया को 8-2 से हराया



काकाबिबहाडा
दिलप्रीत सिंह की हैट्रिक के दम पर भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियाई खेलों में लगातार तीसरी जीत दर्ज करते हुए कृष्णवर्णित्वर को दक्षिण कोरिया को 8-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह लयाभय पक्की कर ली। पूरा ए में शीर्ष पर कब्जा कर भारत ने इससे पहले इंडोनेशिया को 13-1 और श्रीलंका को 16-1 से हराया था। अब भारत का सामना 26 सितंबर को जापान से होगा। भारत के लिये दिलप्रीत सिंह (10वां, 26वां और 32वां) ने तीन और फील्डर अभिषेक (15वां और 38वां मिनट) ने दो गोल किए जबकि शिलानंद लाकड़ा (चौथा), सुखजीत सिंह (दसवां), कपतन हरमनश्री सिंह (11वां) और

पहले क्वार्टर में ही भारत ने बनाई मजबूत पकड़

भारत ने मैच की शुरुआत आक्रामक खेल के साथ की। चौथे मिनट में शिलानंद लाकड़ा ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके पांच मिनट बाद सुखजीत सिंह ने गेंद को गोलपोस्ट तक पहुँचाकर स्कोर 2-0 कर दिया। भारतीय हमले लगातार जारी रहे और 11वें मिनट में कपतन हरमनश्री सिंह ने गोल कर दिया। शुरुआती 11 मिनट में ही भारत 3-0 से आगे हो चुका था। दक्षिण कोरियाई टीम इस दबाव से उबर नहीं, उससे पहले 14वें मिनट में अभिषेक ने भारत का चौथा गोल कर दिया। पहले क्वार्टर के अंत तक भारतीय टीम ने मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया था।

दूसरे हाफ से पहले ही मैच भारत की मुट्ठी में

दूसरे क्वार्टर में भी भारतीय खिलाड़ियों ने एकाग्र कम नहीं होने दी। 26वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने गोल कर भारत की बढ़त 5-0 कर दी। उसके कुछ ही मिनट बाद 32वें मिनट में दिलप्रीत ने एक और गोल चढ़ते हुए अपना दूसरा गोल पुर किया। भारत की आक्रमकता का सिलसिला यहाँ नहीं रुका। 38वें मिनट में अभिषेक ने अपना दूसरा गोल किया और भारत को 7-0 की बड़ी बढ़त पर पहुंचा दिया। कोरिया ने दो गोल किए, लेकिन बापसी नहीं कर सका।



